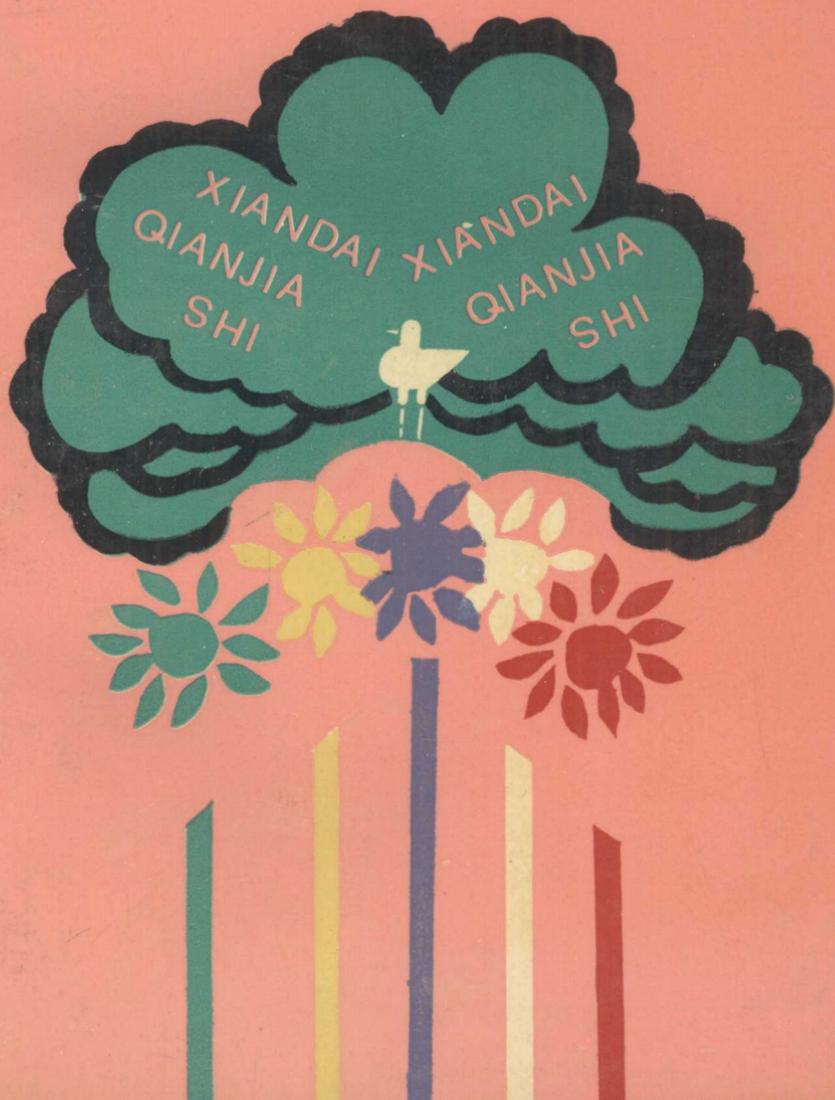


• XIANDAI QIANJIA SHI

现代千家诗

毛大风 王斯琴 编注

重庆出版社





现代千家诗

毛大风 王斯琴 编注

重庆出版社

(川)新登字010号

责任编辑 卢季野

封面设计 王小姗

技术设计 费晓瑜

毛大风 王斯琴 编注

《现代千家诗》

重庆出版社出版、发行(重庆长江二路205号)
新华书店经销 达县新华印刷厂印刷

*

开本850×1168 1/32 印张19.375 插页4 字数440千
1992年3月第一版 1992年3月第一版第一次印刷

印数: 1—3,000

*

ISBN 7-5366-1406-3/I·257

定价: 7.95元

贺《现代千家诗》问世

(代序)

朔望

老友大风兄和钱塘诗社的斯琴先生合编的这本巨制完稿了，承惠先睹之快，并嘱为序。叨在外事、编辑、诗词诸界过往多年，在他为不弃，于我则难却。岁月云逝，江湖既渺；且图个相濡以沫，磕几句闲，聊抒胸臆，以破寂寥。

真不易，能出这样一本数百页的格律诗集，又是近年同类书的第三部了。足见人世于冥冥中待物不薄。须知中国这几千载独占诗坛的东西，自七十年前触了霉头，落拓至今，连个正经名字一时都叫不出口了：什么旧诗，古诗，老诗，古典诗，传统诗，格律诗，乃至背后贬称的“封建诗”，“遗老遗少”诗，等等。或欠切，或欠恭。总之，一名之立，踌躇了半个多世纪，可谓奇案，无人能断。这时，只剩下一个难以否认的现象：没有桂冠，没有奖金，没有阵地，没有编制，甚至没有名目，这玩意儿却照样活，即所谓“富于生命力”是也。

近来，各类断代的或分门的诗词鉴赏词典越出越多、越厚，简直像在开发一门系统工程，势头不亚于两年前的现代派诗潮和眼下的卡拉OK走穴热浪，简直使一些有悲观情绪的老先生大跌眼镜，不知身处何境！商品经济啊，你也未必难倒老夫也！这里应了一句老口头禅：形势比人还强。此中消息，很值得关心诗运的同志好生玩味。确实，格律诗是不会消亡的，尽管也要改进、改良（我用“格律”为名，觉得它概括了传统诗的主要特点）。格律

诗，它既是文学，当然不会消亡；一如人之不会停止哭笑，吃东西，唱歌；而它在七十年间的荣辱沉浮，最足为证。一部五四以来的中国文学史，即另册中亦不及诗词。虽以当年毛润之之尊威，身教存亡，言教病之，对诗运的损益也不显。或谓他也很矛盾，所以唱了双簧，玩于掌指而意在捉放，实亦阳谋。我以为诗自有其道，看远去，总归主观不得，勉强不来的。不过，治诗词的也切忌狂妄胡乱，以为看到中兴的时代已至，一切都好办了。这不符合实际，恐怕也是我们脑子里留下的“现在世界上究竟谁怕谁？”的定于一的想法，实属自寻苦恼。我看还是二元论、多元论、百家百花说合乎逻辑，一任格律诗和新诗双轨共作，各尽所能、各擅其长。盖长征之际，需要刺刀诗，如“过了河就是胜利”，而“金沙水拍云崖暖”的佳句，毕竟只能是事后琢磨出来的。我们在牛棚里大率做幽深晦涩的诗，因为甜的没有，而要骗过“头人们”的智商，非此不为功。总之，因势随缘可耳。来去自由，两栖者正是能人。并不嫁一个汉子，何必分大小正侧。这样，心理就平衡了。咱有本事咱干，失败莫怨别人。当然，这不比打仗或做生意，不会亡国，也不会破产。故时调曰：“妹妹，你大胆地往前走！”

近史难治，盖多是非恩怨，每见流于远交近攻。鲁迅翁即谓：诗至唐宋，已经做完。连进化也不信了。其实晚清的诗（如龚定庵等）正多古质清新、慷慨冷峻的高明之作；包括后来鲁迅本人的在内，就品格（思想深度）言，实越前人藩篱多矣。或者他也是一时气话，将旧诗与封建制混为一谈，幸未与其杂文为后人一并奉为圭臬。但言五四以来诗，则更难。因它早已摈于道统之外。整整一个甲子，踽踽郊野，若未被礼义、应酬、风月、俗媚和自残吃掉，已属万幸。毛、王君所编集，可诵的诗是很多的，不少是大家名家之作。不足处，似在包罗未周，而不少选品或不免有欠深、欠冷静，欠个性，欠世界眼光，欠现代意识的疵

本书编辑缘起

《现代千家诗》，又名《七十年旧体诗集》，盖所选者为五四迄今的旧体诗。

一、一九一九年“五四”新文学运动创立了白话新诗以后，七十年来旧体诗的情况如何？是诗词爱好者所关心的问题。本书广征博引，编辑成书，加以出版。旨在为读者了解这一时期的旧体诗，提供一份比较详实而系统的资料。

二、七十年来旧体诗，诗人摩肩接踵，才人辈出；以至本书所录，蔚为大观。可是对于这一历史事实，许多现代文学史编者却视而不见，避而不谈。近年出版的几部《中国现代文学史》，都长篇大论赞新诗，只字不讲旧体诗，这实际上已成为一桩“学术公案”。本书的出版，不啻是用事实来回答那些对旧体诗的歧视者和偏见者。

三、本书所收旧体诗，是从各种专集和许多报纸、刊物上挑选出来的。七十年来，诸如五四运动、北伐战争、土地革命、抗日战争、解放战争，以及新中国建立后的一系列重大事件，无一不在旧体诗中得到反映。无论长篇或短句，它们的笔触是如此广泛，内容是如此丰富，诗的语言是如此激动人心。因此我们有理由认为，《现代千家诗》是一部充满爱国主义思想的诗集，它既有历史价值，也具有艺术价值。

四、本书所选诗，凡五、七言古体，以及近体律绝、乐府歌

行等，均选其优美者。诗以外的体裁如词、曲、民歌等，均不录。本书选诗，力求做到以诗传人，而不是以人取诗。

五、本书诗篇排列，基本以诗作时间先后为序，粗略分为十三个部类：(1)五四前后，(2)烽烟岁月，(3)时事感赋，(4)英烈诗魂，(5)缅怀之什，(6)交游赠答，(7)城乡杂咏，(8)江山揽胜，(9)感怀讽喻，(10)“牛棚”内外，(11)吟坛纪事，(12)海峡情思，(13)域外诗简。分类编排的目的，是便于读者阅读和查找。

六、本书对诗作者写了“简介”，诗后还作了“题解”和“注释”，这对读者理解诗的背景和主题思想，想必会有帮助的。

编者识一九八九年四月

目 录

| | |
|---------------------|-----|
| 贺《现代千家诗》问世(代序)..... | 朔 望 |
| 本书编辑缘起..... | 编 者 |

〔一〕五四前后..... (3)

| | |
|-----------------------------|--------|
| 柳亚子 送铁崖归蜀 孤愤 五月五日纪事 空言..... | (3) |
| 何香凝 赠别 悼亡..... | (5) |
| 刘大白 驾犁 立秋日病里口占 腰有一匕首..... | (6) |
| 刘半农 游香山纪事诗 呜呼三月一十八..... | (7) |
| 闻一多 春柳 北郭即景 作旧诗..... | (9) |
| 王统照 春雨怀人..... | (10) |
| 周作人 舟中口占..... | (10) |
| 陈衡哲 五言诗两首..... | (11) |
| 朱自清 怀南中诸旧游..... | (11) |
| 李大钊 登楼杂感 咏玉泉 太平洋舟中咏感..... | (13) |
| 瞿秋白 雪意 绝笔..... | (15) |
| 李立三 述志 依秋瑾七律原韵..... | (16) |
| 朱蘊山 赠宋玉琳..... | (17) |
| 沈尹默 答季刚..... | (18) |
| 蔡 堡 五四即事..... | (18) |
| 康白情 寄家内..... | (19) |

| | | |
|-----|---------------------|--------|
| 韦素园 | 题照 | (19) |
| 韩令夫 | 过风陵渡 | (20) |
| 温仲獬 | 西湖联句 | (20) |
| 张纪南 | 悼王中秀 | (21) |
| 陈濂思 | 游蒲州 古北口 | (21) |
| 李求实 | 黄河大堤远眺 | (22) |
| 白南薰 | 汴梁怀古 | (23) |
| 贺天健 | 游湘阴玉笥山 | (23) |
| 王震异 | 金台吟 | (24) |
| 陈凤威 | 甲子岁除有感 | (25) |
| 黄 节 | 寄区生得潜 过北园茗柯置酒话旧 | (25) |
| 黄季刚 | 乱后始至南京 辛未岁暮书感 | (26) |
| 马君武 | 读史杂感 三·卅纪事 | (27) |
| 马一浮 | 悲秋四十韵 瞑言 | (28) |
| 杨 度 | 偶然作 和夏大《寒山歌》 奉和虔谷先生 | (31) |
| 吴 宓 | 金台怀古 游圆明园故址 西行杂诗 | (33) |
| 吴芳吉 | 白屋清明 论诗答湘潭女儿 | (35) |
| 杨 圻 | 寄友人辽东 漫兴 江行感怀 | (38) |
| 郁 华 | 车过黄河铁桥口占 己未元旦车过青齐 | (40) |
| 施今墨 | 宣化道中 | (40) |
| 徐际恒 | 送向仲璞之山西 除夕风雨感怀 | (41) |
| 程俊英 | 寄耀翔 | (42) |
| | (二) 烽烟岁月 | (43) |
| 程 潜 | 驻军马坝 军行秋浦大通间 | (45) |
| 罗章龙 | 北伐纪事诗 | (46) |
| 张执一 | 过汨罗江 | (47) |
| 林伯渠 | 别梅坑 长征 | (48) |

| | | |
|-----|-----------------------|--------|
| 萧 华 | 南渡乌江 | (49) |
| 李 真 | 渡金沙江 | (50) |
| 杨成武 | 翻越夹金山 突破腊子口 | (51) |
| 谢觉哉 | 宿吴旗镇荞麦地 | (51) |
| 毛泽东 | 长征 | (52) |
| 陈 毅 | 梅岭三章 野营 | (53) |
| 李 鹤 | 九月十九夜军退康平 锦州大退却 入山海关 | (54) |
| 张馥生 | 九一八感作 闻十九路军淞沪抗战喜作 | (55) |
| 卢 前 | 感事七绝两首 | (56) |
| 常乃德 | 翁将军歌 | (57) |
| 马叙伦 | 遥吊佟麟阁赵登禹两将军 | (60) |
| 沈钧儒 | 晓闻炮声 经年 | (60) |
| 胡厥文 | 台儿庄大捷 伤时 | (62) |
| 萧炳章 | 长安行 | (63) |
| 吕振羽 | 南京杂咏 | (63) |
| 黄稚荃 | 率诸幼稚溯江返蜀 | (65) |
| 张 轸 | 登岳阳楼有感 | (66) |
| 李济深 | 登庐山二首 | (66) |
| 叶剑英 | 登祝融峰 | (67) |
| 朱 德 | 太行春感 寄语蜀中父老 | (67) |
| 郭沫若 | 归国杂吟之二 抗日抒怀 | (68) |
| 叶圣陶 | 乐山寓庐被炸移居城外野屋 | (69) |
| 孙蔚如 | 气壮河山 | (71) |
| 宛敏灏 | 抗战胜利交通阻梗感赋 新春偶成 | (71) |
| 王干一 | 重阳次友人韵 寄军中友人 | (72) |
| 李伯轩 | 宿依兰旅行社 | (73) |
| 徐嘉瑞 | 怒江吟 哀鸿 戊子春日呈庸中先生 蒲圻所见 | (74) |
| 芦 荻 | 风雨吟 书怀 | (76) |

| | | |
|------|-----------------|--------|
| 杨弟甫 | 东北义勇军 | (77) |
| 陈 雷 | 九月 从军行 | (77) |
| 王冷斋 | 芦沟桥抗战纪事诗 | (78) |
| 王沂暖 | 吊郝梦龄将军 | (79) |
| 杨文元 | 哀金陵 | (80) |
| 粟 裕 | 卫岗初胜 | (81) |
| 钟千里 | 武汉撤退过岳阳楼题壁 | (82) |
| 林铭勋 | 清远舟中 | (82) |
| 张爱萍 | 反敌伪顽夹击 | (83) |
| 明 朗 | 反“扫荡” | (83) |
| 皇甫束玉 | 祝反“扫荡”胜利悼宋史石三烈士 | (84) |
| 袁 振 | 苦战泰山侧 | (84) |
| 郭子化 | 军行山中 望信使不归 | (85) |
| 张崇文 | 参加黄桥决战四十周年纪念有感 | (86) |
| 周一萍 | 七绝两首 | (86) |
| 杨 帆 | 皖变零忆 | (87) |
| 李根源 | 抗战三周年感赋 | (90) |
| 商衍鏊 | 辛巳中秋喜湘北大捷 | (91) |
| 黄施民 | 怀香港抢救文化人往事 | (92) |
| 王敏求 | 夜别太行 过敌占区 | (93) |
| 董鲁安 | 菊花石堂 宿栗树场 次上堡 | (94) |
| 李伯兮 | 沅江道中 | (95) |
| 陈祥耀 | 寇陷洛阳书慨 秋感 | (96) |
| 郑晓沧 | 常衢寇退泛松溪返龙泉途中 | (97) |
| 邓散木 | 闻日军乞降 | (97) |
| 张恺帆 | 随军北撤途中 | (98) |
| 马依群 | 北平和平解放 | (98) |
| 丁 芒 | 淮海战役回顾 | (99) |

| | | |
|---------|----------------------|-------|
| 魏文伯 | 大军南下 | (99) |
| 刘伯承 | 记羊山集战斗 | (100) |
| 刘传蕪 | 沙家店大捷 | (100) |
| 贺连城 | 呈朱总司令 | (101) |
| 胡考 | 第三野战军开始反攻 | (102) |
| 李楨 | 祝刘邓南下大捷 | (102) |
| 郭石 | 夜行军 | (103) |
| 缪海稜 | 过湘江 | (103) |
| 王振乾 | 进军川东 | (104) |
| 毛大风 | 成都解放 | (104) |
| 罗立斌 | 西北进军 | (105) |
| 陶峙岳 | 迎王震将军入疆 | (106) |
| 〔三〕时事感赋 | | |
| 鲁迅 | 为了忘却的纪念 无题 | (107) |
| 夏承焘 | 客思 登长城 雁荡山中答马夷初翁 | (109) |
| 曹天风 | 广陵别调 送狄如东渡 穷途别 | (111) |
| 潘希逸 | 哀江南 | (112) |
| 刘凤梧 | 哀济南 | (114) |
| 陈寅恪 | 戊辰中秋夕渤海舟中 庚辰元夕作时旅居昆明 | (115) |
| 缪钺 | 感愤 感事 | (116) |
| 续范亭 | 夜宿潼关 哭陵 | (117) |
| 马叙伦 | 丁卯除夕 杂说 | (119) |
| 邓均吾 | 青山 过炮台湾 雨后 | (119) |
| 吴其敏 | 癸酉杂诗 | (121) |
| 李亚群 | 病起 | (122) |
| 杨述 | 咏“一二·九” | (122) |
| 张恨水 | 西行见闻 | (123) |

| | | |
|-----|-------------------|-------|
| 冯玉祥 | 老人谈话 | (124) |
| 张 澜 | 居乡杂感 闻《天津协定》感赋 忆母 | (126) |
| 吴棹仙 | 重阳感赋 | (127) |
| 田 汉 | 狱中杂咏 哀聂耳 | (128) |
| 田雪梧 | 舟泊采石矶 | (129) |
| 李淑一 | 岳麓山杂咏 | (130) |
| 邓散木 | 新都杂诗 | (131) |
| 经亨颐 | 西安郊外吊古 | (132) |
| 郭影秋 | 狱中有寄 | (132) |
| 王斯琴 | 感赋两律 | (133) |
| 王季思 | 苏堤曲 慈溪孀妇歌 | (133) |
| 来其苏 | 流亡感怀 | (135) |
| 潘 受 | 《掷鞭图》歌 | (135) |
| 林散之 | 政府迁蜀柬子退 劫后南京 | (137) |
| 吴白匋 | 河决花园口 丁卯重到金陵 | (138) |
| 郑子瑜 | 移居白沙湾 寒衣曲 | (139) |
| 杨树达 | 依韵和疏庵诗 归来 | (140) |
| 李独清 | 敌机惨炸筑垣 答陈仲子 | (141) |
| 詹安泰 | 武江寓居 | (142) |
| 顾雪奇 | 海门感事 | (143) |
| 老 舍 | 潼关炮声 村居 | (143) |
| 杜国庠 | 吴淞夜泊 夜坐 | (144) |
| 彭鹤濂 | 村夜 | (145) |
| 李 笠 | 春夜有感 | (146) |
| 陈 颀 | 押解途中 | (146) |
| 周恩来 | 皖南事变 | (147) |
| 熊瑾玎 | 览物 | (147) |
| 廖平子 | 归家诗 | (148) |

| | | |
|----------------|----------------------------|-------|
| 茅盾 | 无题 | (149) |
| 吴鹭山 | 龙湫轩题壁 | (150) |
| 彭兰 | 日暮感怀 | (150) |
| 萧芳 | 夏日萧斋 忆渝州 | (151) |
| 黄寿祺 | 答槐轩先生 | (152) |
| 陈嘉庚 | 述志 | (152) |
| 钟敬文 | 感事 扫柳亚子先生墓 | (153) |
| 贺绿汀 | 去延安途中 | (155) |
| 邓拓 | 阜平夜意 《晋察冀日报》终刊 留别《人民日报》诸同志 | (155) |
| 陶行知 | 赠《消息》半月刊 | (157) |
| 黄炎培 | 阴冻 | (157) |
| 路志霄 | 感怀 出武威城口占 | (158) |
| 沈轶刘 | 戊子春暮书事 | (159) |
| 陈碧岑 | 春江听潮 和曼君旧作 | (159) |
| 〔四〕英烈诗魂 | | |
| 杨杏佛 | 送铁崖归蜀次亚子韵 | (161) |
| 杨虎城 | 诗一首 | (163) |
| 杨开慧 | 和李一纯 | (164) |
| 萧楚女 | 寄孙问梅兼示泥清仲宣 | (164) |
| 方维夏 | 和孔昭绥校长 | (166) |
| 应修人 | 落花诗 | (166) |
| 邓中夏 | 过洞庭 | (167) |
| 何叔衡 | 赠夏明翰同志 | (168) |
| 恽代英 | 诗一首 | (168) |
| 王达强 | 途中 | (169) |
| 朱也赤 | 就义诗两首 | (169) |

| | | |
|-----|--------|-------|
| 郭亮 | 过岳阳楼 | (170) |
| 夏明翰 | 就义诗 | (171) |
| 蔡济黄 | 誓不降 | (171) |
| 钟友千 | 无题 | (171) |
| 杨超 | 就义诗 | (172) |
| 贺锦斋 | 绝笔诗 | (172) |
| 蓝飞鹤 | 绝命诗 | (173) |
| 邓雅声 | 绝命诗 | (173) |
| 熊亨瀚 | 客中过上元节 | (174) |
| 罗学瓚 | 咏怀 | (174) |
| 郭石泉 | 感怀诗四首 | (175) |
| 杨匏安 | 狱中诗 | (176) |
| 梁建新 | 感时 | (177) |
| 黄治峰 | 立志 | (177) |
| 姚伯坝 | 诗一首 | (178) |
| 辛忠荩 | 旅途口占 | (178) |
| 蔡和森 | 少年行 | (179) |
| 马本斋 | 诗一首 | (179) |
| 吉鸿昌 | 就义诗 | (180) |
| 叶挺 | 过黄山 | (180) |
| 李少石 | 再寄内 咏史 | (181) |
| 刘伯坚 | 带镣行 移狱 | (182) |
| 洪灵菲 | 寄内 | (183) |
| 黄诚 | 亡命 | (184) |
| 萧次瞻 | 狱中诗 | (184) |
| 杨道生 | 狱中 | (185) |
| 朱学勉 | 自勉 | (185) |
| 车耀先 | 自誓诗 | (186) |

| | | |
|-----|-------------|-------|
| 罗世文 | 为《曙光》停刊 | (186) |
| 杜斌丞 | 赠王菊人同志 | (187) |
| 朱克靖 | 诗一首 | (188) |
| 吕惠生 | 留取丹心照汗青 | (188) |
| 卢志英 | 狱中诗 | (189) |
| 谢士炎 | 狱中诗 | (189) |
| 宋绮云 | 日升歌 | (189) |
| 许晓轩 | 除夕有感 | (190) |
| 黎又霖 | 狱中诗 | (191) |
| 刘振美 | 无题 | (191) |
| 周从化 | 仗剑虎山行 | (192) |
| 杨虞裳 | 白深富 咏“筑墙自围” | (192) |
| 王白与 | 天下 | (193) |
| 王葆真 | 狱中诗 | (194) |
| 黄藻如 | 感赋两首 | (194) |

| | | |
|---------|----------------|-------|
| 〔五〕缅怀之什 | | (197) |
| 杨奎章 | 丘逢甲诞生一百二十周年 | (199) |
| 王玉祥 | 缅怀秋瑾烈士 | (199) |
| 吴玉章 | 纪念邹容烈士 纪念龙鸣剑烈士 | (200) |
| 罗翼群 | 中山先生逝世十四周年感赋 | (202) |
| 伏家芬 | 题凉塘黄兴故居 | (202) |
| 陈家鼎 | 痛悼宋教仁 | (203) |
| 许寿裳 | 寿蔡元培先生 | (204) |
| 汤国梨 | 怀念太炎先生 | (205) |
| 章士钊 | 纪念李大钊 | (206) |
| 李俊民 | 施洋烈士墓 | (207) |
| 许冰 | 怀彭湃同志 | (207) |

| | | |
|------|-----------------|-------|
| 羊牧之 | 怀瞿秋白 | (208) |
| 徐宏道 | 访柔石故居 | (209) |
| 钱 瑛 | 再读《俘虏的生还》 | (210) |
| 陈野苹 | 怀赵一曼 | (210) |
| 茹欲立 | 杨虎城将军挽诗 | (211) |
| 张曙时 | 悼续范亭同志 | (212) |
| 王敏求 | 忆刘志丹将军 | (213) |
| 魏传统 | 祭左权同志 | (213) |
| 西 明 | 谒彭雪枫陵墓 | (214) |
| 欧阳山尊 | 怀念范筑先将军 | (215) |
| 刘操南 | 哭费烈士香曾师 | (216) |
| 高宪斌 | 悼杜斌丞先生 | (217) |
| 丁 易 | 悼闻一多先生 | (220) |
| 戴伯韬 | 纪念陶行知 | (221) |
| 陈铭枢 | 挽王秦叶邓诸公遇难 | (222) |
| 刘瑞龙 | 悼念国家名誉主席宋庆龄 | (222) |
| 周振甫 | 悼周总理 | (223) |
| 李 锐 | 陈毅 彭德怀 | (224) |
| 张 报 | 悼念许光达同志 悼念李立三同志 | (226) |
| 许德珩 | 悼念马寅初先生 | (227) |
| 吴文祺 | 沉痛悼念沈雁冰同志 | (228) |
| 丁 洪 | 悼郭沫若同志 | (228) |
| 李 新 | 纪念吴老一百周年诞辰 | (229) |
| 郑卓人 | 纪念李济深 | (229) |
| 洪任吾 | 悼鬻翁 | (230) |
| 虞 愚 | 追怀陈嘉庚先生 | (231) |
| 毕朔望 | 诸夏雷音 | (231) |
| 秦 似 | 悲田汉 | (233) |